निष्कर्ष

नब्बे प्रतिशत से अधिक लोगों में अपनी पहुँच रखने वाला रेडियो संचार माध्यम आज उस मुकाम तक नहीं पहुँच पाया जिसकी कल्पना उसके जन्म काल के साथ लगाई गई थी। जब कोई माध्यम समय के सापेक्ष अपने आपको लगातार नहीं बदल पाता तो ऐसे में लोकप्रियता की कमी होना लाजिमी है। चुकी लोकप्रियता कोई सार्वभौम स्थापित वस्तु नहीं है, इसलिए इस पर एक समान रूप से बने रहना किसी भी माध्यम के लिए बहुत मुश्किल है। लेकिन इसके बाद भी जब माध्यम अपने अस्तित्व को लेकर लगातार सतर्क रहते हैं तो वे नए-नए कार्यक्रमों को जन्म देते हैं। ऐसे ही जन्मे कार्यक्रम के रूप में 'मन की बात' कार्यक्रम एक है। यह बात अलग है कि यह कार्यक्रम अपने एक निश्चित राजनैतिक महत्वाकांक्षा के लिए शुरू किया गया है ना की रेडियो संचार माध्यम के वापसी के लिए। कभी-कभी ऐसा होता है कि जब आप अपना निहित लक्ष्य प्राप्त कर रहे होते हैं, या उसके लिए प्रयासरत रहते हैं, तो अनजाने ही सही लेकिन आप असंभावित लोकप्रियता को पाते हुये अपने साथ ही साथ उस माध्यम को भी लोकप्रिय बना देते हैं,जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा होता है। चुकी रेडियो एक सरल माध्यम के रूप में जाना जाता है और अपनी सरलता के साथ ही यह संवेदनशील भी बन जाता है। इसी संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुये रेडियो के कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं। इसी के तर्ज पर प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम को प्रस्तुत किया जो रेडियो की खोई या कम हुई लोकप्रियता को कुछ हद तक ही सही लेकिन वापस लाने के प्रयास कर रहा है।

प्रस्तुत शोध जो मुख्य रूप से 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम पर आधारित है। शोध के केंद्र में 'मन की बात' कार्यक्रम होने के बाद भी यह रेडियो संचार माध्यम को ध्यान में रखते हुए पूर्ण किया गया है। इस विषय पर शोध के उपरांत निष्कर्षतः जो बिंदु सामने आता है वह निम्नलिखित है।

- 'मन की बात' कार्यक्रम प्रभावी है तथा रेडियो पर ज्यादा लोकप्रिय है।
- 'मन की बात' कार्यक्रम से रेडियो की लोकप्रियता में इजाफा हुआ है।
- अगर कार्यक्रम प्रभावी या लोकप्रिय हो तो वह सम्बधित माध्यम को भी लोकप्रिय बना सकता है।
- रेडियो पर प्रसारित 'मन की बात' कार्यक्रम का एक मात्र उद्देश्य राजनैतिक महत्वाकांक्षा को प्राप्त करना है।
- रेडियो की गिरती लोकप्रियता के समय 'मन की बात' कार्यक्रम इस माध्यम के लिए वरदान साबित हुआ।
- व्यक्ति विशेष के माध्यम से भी किसी कार्यक्रम को लोकप्रिय बनाया जा सकता है।
- रेडियो संचार माध्यम पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम पर इस माध्यम का उपेक्षित व्यवहार इस माध्यम की गिरती लोकप्रियता का कारण है।
- मोदीजी के प्रचार कार्यक्रम का 'मन की बात' एक हिस्सा भर है। उन्होंने इसका भरपूर इस्तेमाल किया और उन्हें इसका फ़ायदा भी मिला.
- इस कार्यक्रम की शुरुआत बहुत ही प्रभावशाली ढंग से हुई थी। मोदीजी ने ऐसे कई मुद्दों को उठाया, जिन पर प्रधानमंत्री अमूमन बात नहीं करते। उन्होंने छोटी-छोटी बातों को भी इसमें शामिल किया।
- नरेंद्र मोदी ने अपने, अपनी पार्टी और अपनी सरकार के प्रचार के लिए रेडियो माध्यम का बखूबी इस्तेमाल किया।